

SMT. SAALUMARADA THIMMAKKA

Smt. Saalumarada Thimmakka is a renowned environmentalist. She never got a chance for learning and had to work in other people's home. She took responsibility for grazing of cattle and sheep at young age because of poverty.

2 Born on January 1st, 1912 in a remote place in Tumkur District, Karnataka Smt. Thimmakka got married to Shri Bikkala Chikkayya from Hulikal village, Kudur Hobali, Magadi Taluk of Ramanagar District in Karnataka. In her later days, she did road construction work, stone crushing work and Coolie for serving life. The couple remained childless even after 25 years of their marriage. Because of being childless, they were abused by the society. Both of them were disappointed and pained because of this fruitless life. One fine day, the disappointment and pain she had gone through made both of them decide to grow tree plants as their own children. Later with her husband encouragement, she set on a mission to plant Banyan trees as many as possible throughout the life. Initially she planted trees along 4 km stretch on either side of the road from her village Hulikal to Kudur. She not only planted those trees but also tendered them until they grow sturdier. Till today she has planted countless number of trees across India.

3 At this old age of 107 years, Smt. Thimmakka is living under the care of Shri Umesh BN her foster son. Along with Shri Umesh, she had travelled across India spreading awareness about importance of Forest, Soil, Wildlife and Water conservation. Shri Umesh dedicated his whole life for her accomplishment. He has also involved himself along with Smt. Thimmakka in the mission of preserving the environment and he is successfully running the "Prithvi Bachao"(Save Earth) movement.

4 The precious service done by Smt. Thimmakka to our environment has got worldwide recognition. She stands as a unique individual who has brought recognition to the Karnataka State worldwide by her incredible and massive environmental service. Identifying her achievement, Govt. of Karnataka announced "Saalumarada Thimmakka Neralu Yojane" (Saalumarada Thimmakka Shade Plan - planting trees along 3000 KM stretch for 1 year). Govt. of Karnataka also made provisions in the State Budgets of the year 2014-15,2015-16, 2016-17 and "Saalumarada Thimmakka Vruksha Udyanavana" (Saalumarada Thimmakka tree park) in all 224 Legislative Assembly constituencie in Karnataka state budgets of the year 2017-18.

5 Smt. Thimmakka is the recipient of numerous awards and honours. She has been honoured with Doctorate, honoured "Nadoja award" by Hampi University in 2010, National Citizen Award by Govt. of India in 1995, Indira Priyadarshini Vrukshamitra Award in 1997 from Govt. of India, Karnataka Rajyotsava Award in 1997 from Govt. of Karnataka, Karnataka State Environmental Award in 2007, BBC listed her as the most influential and inspirational women of the world in 2016 for her exemplary work in the field of tree conservation. She was also awarded Dr B.R.Ambedkar State Award, Gait Free Brabiency National Award, Indira Rathna Puraskar, Women Empowerment Award, The Green Mother Award, Green India Award, Vrukshamatha Award, Vanadevi Award, Vanarani Award and Basavasri Award. The Government of India has taken the initiative of including a poem written on her in the CBSE Text Books. Karnataka Government has taken an initiative for including Smt. Thimmakka's chapters in Literacy Programmes (Saksharatha Andolan) and Introduction about Smt. Thimmakka and lessons on her achievements introduced in 1st,2nd, 3rd, 4th,5th,6th,7th,8th,9th standard text books and also in SSLC Hindi textbook. A Lesson about Smt. Thimmakka has also been included in the Political Science text book prescribed for the class 12th students.

पद्म श्री

श्रीमती सालुमरदा तिम्मक्का



श्रीमती सालुमरदा तिम्मक्का एक प्रसिद्ध पर्यावरणविद हैं। आपको कभी पढ़ाई करने का मौका नहीं मिला और आपको दूसरे लोगों के घर में काम करना पड़ा। आपको गरीबी के कारण छोटी उम्र में ही पशु और भेड़ें चरानी पड़ी।

2. आपका जन्म 1 जनवरी, 1912 को कर्नाटक के तुमकुर जिले के एक दूर-दराज स्थान में हुआ था। श्रीमती तिम्मक्का का विवाह कर्नाटक के राम नगर जिले के मगदी तालुक के ग्राम हुलीकल, कुदूर होबली के श्री बिक्काला चिकैय्या के साथ हुआ था। इसके बाद आपने जीवन-यापन के लिए सड़क निर्माण, पत्थर तोड़ने और कुली का काम भी किया। विवाह के 25 वर्षों के बाद भी आपकी कोई संतान नहीं हुई। निःसंतान होने के कारण आपको समाज का तिरस्कार झेलना पड़ा। पति-पत्नी दोनों ही इस निरर्थक जीवन से निराश और दुःखी थे। एक दिन इस दुःख और निराशा के कारण दोनों ने अपने बच्चों के रूप में पौधे लगाने का निर्णय लिया। इसके बाद आपने अपने पति के प्रोत्साहन से अपने पूरे जीवन यथा संभव अधिक से अधिक बरगद के पेड़ लगाने का मिशन शुरू किया। शुरूआत में आपने अपने गांव हुलीकल से कुदूर तक सड़क के दोनों ओर 4 किलोमीटर की दूरी तक वृक्षारोपण किया। आपने केवल वृक्षारोपण ही नहीं किया बल्कि इन पेड़ों के बड़े होने तक इनकी देखभाल भी की। आपने अब तक पूरे भारत में अनगिनत पेड़ लगाए हैं।

3. 107 वर्ष की वृद्धावस्था में, आप अपने पोष्य-पुत्र श्री उमेश बी.एन. के साथ रह रही हैं। वन, मृदा, वन्यजीवन और जल संरक्षण के महत्व के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए आपने श्री उमेश के साथ पूरे भारत की यात्रा की है। श्री उमेश ने भी आपके कार्य के लिए अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया है। वे आपके पर्यावरण संरक्षण के मिशन में भी शामिल हो गए हैं और वे "पृथ्वी बचाओ" (सेव अर्थ) आंदोलन को सफलता पूर्वक संचालित कर रहे हैं।

4. हमारे पर्यावरण के प्रति आपके द्वारा दी गई बहुमूल्य सेवाओं को विश्व-व्यापी पहचान मिली है। आप ऐसी विशिष्ट प्रतिभा हैं जिन्होंने पर्यावरण के क्षेत्र में अपनी अतुलनीय और अथक प्रयासों से कर्नाटक राज्य को विश्व-व्यापी पहचान दिलाई है। कर्नाटक सरकार ने आपकी उपलब्धि को स्वीकार करते हुए, "सालुमरदा तिम्मक्का नेरलु योजने" (सालुमरदा तिम्मक्का शेड प्लान-1 वर्ष तक 3000 किलोमीटर तक वृक्ष लगाना) की घोषणा की। कर्नाटक सरकार ने राज्य के बजट वर्ष 2014-15, 2015-16, 2016-17 में और बजट वर्ष 2017-18 में कर्नाटक राज्य के सभी 224 विधान सभा क्षेत्रों में "सालुमरदा तिम्मक्का वृक्ष उद्यानवन" (सालुमरदा तिम्मक्का ट्री पार्क) के लिए प्रावधान किया है।

5. आपने कई पुरस्कार और सम्मान प्राप्त किए है। आपको डॉक्ट्रेट की उपाधि से सम्मानित किया गया है। आपको वर्ष 2010 में हम्पी विश्वविद्यालय द्वारा "नडोजा पुरस्कार", वर्ष 1995 में भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय नागरिक पुरस्कार, भारत सरकार द्वारा वर्ष 1997 में इन्दिरा प्रियदर्शनी वृक्ष मित्र पुरस्कार, कर्नाटक सरकार द्वारा वर्ष 1997 में कर्नाटक राज्योत्सव पुरस्कार, वर्ष 2007 में कर्नाटक राज्य पर्यावरण पुरस्कार से सम्मानित किया गया, बीबीसी ने वृक्ष संरक्षण में आपके द्वारा किए गए अनुकरणीय कार्य के लिए आपका नाम वर्ष 2016 में विश्व की सबसे अधिक प्रभावशाली और प्रेरक महिलाओं की सूची में शामिल किया है। आपको डॉ. बी.आर.अम्बेडकर राज्य पुरस्कार, गैत फ्री ब्रेबिएन्सी नेशनल अवार्ड, इन्दिरा रत्न पुरस्कार, महिला सशक्तिकरण पुरस्कार, दि ग्रीन मदर पुरस्कार, वनरानी पुरस्कार और बसावश्री पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया है। भारत सरकार ने सी बी एस ई पाठ्य पुस्तकों में आपके ऊपर लिखी गई एक कविता को शामिल करने की पहल की है। कर्नाटक सरकार ने साक्षरता कार्यक्रमों (साक्षरता आन्दोलन) में आप पर अध्याय शामिल करने और कक्षा 1,2,3,4,5,6,7,8 एवं 9 की मानक पाठ्य पुस्तकों और एस एस एल सी की हिन्दी की पाठ्य पुस्तकों में आपकी उपलब्धियों से संबंधित अध्याय शामिल करने की भी पहल की है। कक्षा 12 के विद्यार्थियों के लिए निर्धारित राजनीति विज्ञान की पाठ्य पुस्तक में भी आपसे संबंधित एक अध्याय शामिल किया गया है।